



हथ स्थिति-दिवसूचक (कम्पास) के उपयोग की विधि वस्तुओं पर निशाना लगाना आराम से कम्पास पकड़ के बाँह को सीधे आगे बढ़ाएँ ताकि पीली कर्सर लाइन आपके आमने-सामने आ जाए। कम्पास को थोड़ा सा झुकाकर, ताकि आपको दोनों सूर्य्याँ दिखने लगे, बाँह और शरीर के ऊपरी भाग को घुमाते रहें जब तक कि दोनों सूर्य्याँ लक्षित वस्तु के साथ सीधी लाइन न बना लें (चित्र १)। पीली कर्सर लाइन पर जो चुम्बकीय स्थिति नज़र आ रही हो उसे पढ़ें। ध्यान दें: अगर आप किसी बड़ी धात्विक वस्तु के आस-पास खड़े हों तो आपकी चुम्बकीय स्थिति पर प्रभाव पड़ेगा।

निशानित वस्तुओं के आधार पर मार्ग-निर्देशन करना किसी एक स्थिति लाइन को निर्धारित करना आसान काम है (चित्र २)। किसी चार्ट पर कोई ऐसी वस्तु खोज कर निकालें जिसे पहचानना सरल हो, और इस वस्तु पर निशाना लगाएँ ताकि उसकी चुम्बकीय स्थिति नियत हो सके। इस चुम्बकीय स्थिति के आधार पर वस्तु से लेकर एक सीधी लाइन खींचें और आपको मालूम हो जाएगा कि आप इस स्थिति लाइन पर किसी जगह हैं। अब किसी दूसरी वस्तु पर निशाना लगाएँ और इसकी स्थिति लाइन भी नियत करें। आप वहीं हैं जहाँ दोनो लाइनें एक दूसरे से मिलती हैं (चित्र ३)। ध्यान दें: अगर चार्ट के किसी तीन वस्तुओं पर निशाना लगाया जाए (यानी तीन स्थिति लाइनें बनाई जाएँ) तो परिणाम और भी स्पष्ट होगा। इन तीन लाइनों से त्रिकोण बन जाता है और आप इस त्रिकोण में ही कहीं होंगे।

समुद्र से दूरी नियत करना जब आपके कम्पास की दिशा समुद्र-तट से लगभग समान्तर हो तो ऐसा करना सबसे आसान और सबसे सही होता है। ज़मीन पर आपकी गति क्या है, यह भी आपको जानना आवश्यक है। जब आप समुद्र-तट पर किसी सुस्पष्ट वस्तु, जैसे कि जलदीप, धुँआरा या रेडियो मीनार की तुलना में बिल्कुल लम्ब या ४५° पर हों, तो बिल्कुल ठीक समय लिख लें। जब आप उस स्थान से आगे बढ़कर फिर से वस्तु के बिल्कुल लम्ब या ४५° पर आ जाएँ, तो एक बार फिर समय बिल्कुल ठीक-ठीक लिख लें। चार्ट पर इन निशानों से दो सीधी लाइनें बनाएँ, और जितनी दूरी आपने पूरी की उससे तीसरी सीधी लाइन खींचें ताकि समकोण त्रिभुज बन जाए (चित्र ४)। अगर समय से आपकी रफ़्तार का गुणा कर दिया जाए तो आपको मालूम चल जाएगा कि (ए) समुद्र से दूरी क्या है और (बी) पूरी करी गई दूरी क्या है। ध्यान दें: समुद्र की ओर से दूरी नियत करने का एक और उपाय भी है। किसी एक वस्तु से निशाना लगाने के ठीक ६० मिनट बाद उसी वस्तु से दूसरा निशाना लगाएँ और दोनों स्थिति लाइनें निर्धारित कर दें। ६० मिनट के अंदर आपने जो दूरी पूरी की उसे मापने के लिए विभाजक खोलें। जिस स्थान पर विभाजक के कोण पूरी की गई दूरी से बिल्कुल बराबर (चित्र ५) चौड़ाई के हों, वहाँ कम्पास दिशा के समान्तर में वास्तविक यात्रा स्थिति लाइन खींचें (ए)।

भिड़ने के पथ को पहले से निर्धारित करना अगर आपको लगे कि कोई भी स्थिर या अस्थिर वस्तु को आपसे भिड़ जाने की संभावना है तो उससे निशाना लगाकर उसकी स्थिति ठान लें। अगर बार-बार निशाना लगाने पर उस वस्तु की स्थिति न बदले, तो आपको उससे भिड़ने की संभावना है (चित्र ६)। याद रखें कि अगर किसी स्थिर वस्तु से भिड़ने की संभावना हो तो जलप्रवाह या ज्वार-भाटा के कारण आपकी स्थिति "बैठ" गई है और आपको दिशा बदलना आवश्यक है। ध्यान दें: पाल नाव के दौड़ो में जब दो नाव दो दिशाओं से एक ही लक्ष्य की ओर दौड़ाई जाती हैं तो इस तरीके से निशाना बैठाना बहुत उपयोगी होता है।

लंगर गिरा देने के बाद जल-प्रवाह को देखना समुद्र-तट पर प्रस्तुत किसी दो या अधिक वस्तुओं से निशाना बैठाएँ और इन्हें लिख लें। अगर इन वस्तुओं की चुम्बकीय स्थिति बहुत अधिक बदल जाए तो यह हो सकता है कि आपका लंगर समुद्र-तल पर घसीटा जा रहा हो। ध्यान दें: समुद्र-तट पर प्रस्तुत वस्तुओं से आप जितने नज़दीक होंगे, उतना ही मुमकिन है कि अगर आपका लंगर बस घूम गया तो ये स्थितियाँ बदल सकती हैं।

कम्पास का ख-रखाव डेविस हथ स्थिति-कम्पास एक यथार्थमापी यंत्र है; इसे भारी-भरकम उपयोग के लिए निर्मित किया गया है और इस यंत्र को सारी जिन्दगी चलते रहना चाहिये। लेकिन इसे न तो गिराया और न ही ज़ोर से पटका जाना चाहिये। इस पीने के पानी या अल्काहोल से साफ़ करना चाहिये; किसी अन्य विश्लेषक का प्रयोग निशेध है। अगर कम्पास को बहुत देर तक कंपन या चुम्बकीय प्रभावों में रखा जाए तो इसके कीलक धारक या चुम्बकत्व को क्षति पहुँच सकती है और इसकी परिशुद्धि बिगड़ सकती है।

